मॉर्निंग वॉक इन भोपाल

योची यामागाटा

शायद ही कोई हो जिसका मन दुनिया भर में घूमते रहने को न करता हो। योची का मन भी करता था। यही कि वो दुनिया भर में घूमें। अलग-अलग देशों के लोगों से मिलें। वहाँ रहें। वहाँ कई दिनों रहें। वहीं के होकर रह जाएँ। तुम सोच रहे होगे ये योची हैं कौन? योची जापान के ओसाका के रहने वाले हैं। योची फिलहाल भोपाल, म.प्र. में हैं। इससे पहले वे दुनिया के कई देशों में रह चुके हैं। काम कर चुके हैं। दिखने में वो 40 साल के लगते हैं पर उनकी एक किताब में लिखा है कि वे 1946 में पैदा हुए हैं। उनकी किताब का ज़िक्र आने से कहीं तुम उन्हें लेखक तो नहीं समझ बैठे। वे लिखते नहीं चित्र बनाते हैं। चित्र भी नहीं, स्कैच बनाते हैं। सुबह उठकर दूर तक टहलना उनका शौक है। वो कहते हैं शायद इसी की

योची यामागाटा की नज़र में भोपाल का रुस्तम खाँ का अहाता

रुस्तम खाँ के अहाते के बाशिन्दे पन्ना लाल और रानी सुबह-सवेरे सब्ज़ी का अपना ठेला सजाते हुए।

बदौलत वे इतने फिट हैं। टहलने जाते वक्त उनके हाथ में एक झोला ज़रूर होता है। इस झोले में कुछ रंग-बिरंगी पेंसिलें, स्कैच बुक, कुछ कोरे कागज़ होते हैं। गली-मोहल्लों से गुज़रते वक्त बच्चे घरों से दौड़े आते हैं, "चित्र बनाने वाले आ गए..." का शोर गलियों में फैल जाता है। अब तक वे रुस्तम खाँ का अहाता (यह जगह अक्सर उनकी सुबह की सैर का पड़ाव होती है) के कितने ही लोगों का स्केच बना चुके हैं। अभी हमने जिस किताब की बात की उसका नाम है *मार्निंग वॉक इन भोपाल* यानी भोपाल में सुबह की सैर। इस किताब में भोपाल की सुबहों के कोई पचास चित्र होंगे। झटपट बनाए अनगढ़ से स्कैच।

वे कहते हैं, इन स्कैच से मुझे शहर और लोगों से पहचान बढ़ाने में बड़ी मदद मिली। इन्हें देखकर कितना कुछ याद आता है। इनको बनाते हुए की गईं गपशपें, साथ-साथ पी गई कई चायें, पोहे-जलेबियाँ, हँसी-ठट्ठे, दोस्तियाँ। और हाँ, भाषा सीखना भी इनके बिना अधूरा ही रहता।

योची मिलने-जुलने वाले व्यक्ति हैं। हिन्दी लिखना-पढ़ना जानते हैं। तुम चाहो तो उन्हें चिट्ठी लिख सकते हो। उनका पता है:

योची यामागाटा
22, नादिर कॉलोनी, श्यामला हिल्स
भोपाल 462013

चार्ली चैप्लिन के कथन

- बेकार गया वो दिन जिस दिन हँसी-ठट्ठा न हो।
- हम सोचते बहुत हैं, महसूसते कम हैं।
- ज़िन्दगी करीब से देखो तो ट्रेजेडी है और दूर से देखो तो कॉमेडी।
- मेरी नज़र में सबसे दुखद बात है सुविधाओं का गुलाम हो जाना।

- अन्त में, सब मज़ाक है।
- इस ज़ालिम दुनिया में कुछ भी हमेशा रहने वाला नहीं है, मुसीबतें भी नहीं।
- अपने आप पर विश्वास होना सबसे बड़ी कुँजी है। जब मैं अनाथालय में था, जब मैं खाने की जुगाड़ में गलियों में घूमा करता था, तब भी मैं खुद को दुनिया का सबसे महान अभिनेता मानता था।
- मुझे बारिश में चलना पसन्द है, मेरे आँसू जो नहीं देख पाता है कोई।